भारत सरकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 585
जिसका उत्तर 23 जुलाई, 2025 को दिया जाना है।
1 श्रावण, 1947 (शक)

कृत्रिम बुद्धिमत्ता हार्डवेयर निर्यात पर अमेरिकी निर्बंधनों का प्रभाव

585. श्री असादुद्दीन ओवैसीः

क्या **इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) हार्डवेयर पर हाल ही में लागू किए गए अमेरिकी निर्यात विनियमों की जानकारी है, जो भारत को टियर 2 के अंतर्गत वर्गीकृत करते हैं और उच्च क्षमतायुक्त कंप्यूटिंग जीपीयू के आयात को सीमित करते हैं;
(ख) यदि हाँ तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त निर्बंधनों का भारत के कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकास और संबंधित उद्योगों पर क्या प्रभाव पड़ने की संभावना है;
(ग) क्या सरकार ने इस संबंध में भारत के पुनर्वर्गीकरण या उक्त निर्बंधनों से छूट के लिए अमेरिका से संपर्क किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठा रही है कि ये विनियम भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता मिशन और अन्य उच्च-तकनीकी विकास कार्यक्रम जैसी भारत के कृत्रिम बुद्धिमत्ता पहलों में बाधा न डालें?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) से (घ): 15 जनवरी 2025 को संयुक्त राज्य अमेरिका के वाणिज्य विभाग ने एआई प्रसार नियम जारी किया जिसमें निर्यात नियंत्रण और लाइसेंसिंग संबंधी विनियमों का प्रावधान किया गया है । 13 मई**,** 2025 को इस नियम को रद्द कर दिया गया।

भारत की एआई रणनीति, प्रौद्योगिकी के उपयोग को लोकतांत्रिक बनाने के माननीय प्रधानमंत्री जी के दृष्टिकोण पर आधारित है। इसका उद्देश्य भारत-केंद्रित चुनौतियों का समाधान करना तथा सभी भारतीयों के लिए आर्थिक और रोज़गार अवसर पैदा करना है।

<u>वर्तमान में भारत में एआई पारिस्थितिकी तंत्र:</u>
भारत में सूचना प्रौद्योगिकी का एक मज़बूत पारिस्थितिकी तंत्र है। यह 250 अरब डॉलर से अधिक का वार्षिक राजस्व उत्पन्न करता है और 60 लाख से अधिक लोगों को रोज़गार प्रदान करता है।
स्टैनफोर्ड एआई रैंकिंग जैसी वैश्विक रैंकिंग एजेंसी भारत को एआई कौशल, क्षमताओं और एआई उपयोग से जुड़ी नीतियों के मामले में शीर्ष देशों में रखती है। भारत गिटहब एआई परियोजनाओं में दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता भी है**,** जो इसके जीवंत डेवलपर समुदाय को दर्शाता है।

<u>भारत की एआई रणनीति:</u>
भारत की एआई रणनीति का उद्देश्य भारत को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनाना है। सरकार ने मार्च 2024 में भारत एआई मिशन शुरू किया। यह भारत के विकास लक्ष्यों के अनुरूप एक मज़बूत और समावेशी एआई पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने की एक रणनीतिक पहल है।

इंडियाएआई मिशन में निम्नलिखित 7 प्रमुख स्तंभ शामिल हैं:

- **इंडियाएआई कंप्यूट क्षमता:** इसका लक्ष्य एमएसएमई और स्टार्टअप सहित सभी को किफायती कीमत पर उच्च स्तरीय कंप्यूट पावर (जीपीयू) उपलब्ध कराना है।
- **इंडियाएआई फाउंडेशन मॉडल:** भारतीय डेटासेट और भाषाओं पर प्रशिक्षित भारत के अपने बड़े मल्टीमॉडल मॉडल (एलएमएम) विकसित करना। इसका उद्देश्य जनरेटिव एआई में संप्रभु क्षमता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करना है।
- **एआईकोश:** प्रशिक्षण एआई मॉडलों के लिए बड़े डेटासेट विकसित करना। एआईकोश एक एकीकृत डेटा प्लेटफ़ॉर्म है जो सरकारी और गैर-सरकारी स्रोतों से डेटासेट को एकीकृत करता है।
- **इंडियाएआई एप्लीकेशन विकास पहल:** इस स्तंभ का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवा, कृषि, शासन और सीखने की अक्षमताओं के लिए सहायक प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में भारत की विशिष्ट चुनौतियों के लिए एआई एप्लीकेशन को विकसित करना है।
- **इंडियाएआई फ्यूचरस्किल्स:** एआई क्षेत्र में स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी धारकों की संख्या बढ़ाकर भारत में एआई कुशल पेशेवरों का विकास करना। इसका उद्देश्य भारत भर के टियर 2 और टियर 3 शहरों में डेटा और एआई लैब स्थापित करना भी है।
- **इंडियाएआई स्टार्टअप फाइनेंसिंग:** एआई स्टार्ट-अप को वित्तीय सहायता प्रदान करना।
- **सुरक्षित एवं विश्वसनीय एआई:** जिम्मेदार एआई अंगीकरण सुनिश्चित करने के लिए मजबूत शासन ढांचे के साथ नवाचार को संतुलित करना।

*****